



SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

धर्मशास्त्रः आत्मसंयमस्य (भोगसंयमस्य) विषये किं वदति? — आधारः · स्ट्रॉङ्ग-संख्यायुक्तानि KJV शास्त्राणि

THE FOUNDATION · THE ORIGINAL STUDY, SET IN THE ANCIENT ORDER

इन्द्रियसंयमः — मूलभूतः बाइबलीयसिद्धान्तः

प्रारम्भिकवचनम्

इदानीं अत्यावश्यकं वचनं शृणु। आत्मनः फलम् आयतेन्द्रियत्वम् अस्ति — यूनानीभाषायां तत् पदम् *egkrateia* (G1466, आयतेन्द्रियत्वम्) इति, अन्तः स्थितं बलम्, स्वस्यैव आत्मनो नियमनम्। तत् नगरं जयति यत् बलं तत् न भवति; तत् आत्मानं नियच्छति यत् बलं तदेव भवति। इदम् अध्ययनं द्वौ मार्गौ तव पुरतः स्थापयति। तं राजानं पश्य यः स्वयम् आत्मानं नियन्तुं न शशाकः शाकोद्याननिमित्तं स्वशय्यायां शयितवान्, स्वमुखं परावृत्तवान्, किमपि भोजनं न भुक्तवान् च — अन्ततश्च आत्मानं विक्रीतवान्। सश्च एकाकी नास्ति। शौलः जनेभ्यो बिभाय। बालाम् वेतनं प्रियवान् आसीत्। हावा अपश्यत् अगृह्णाच्च। दाविद् प्रेषितवान् गृहीतवांश्च। प्रत्येकः किमपि ईश्वरस्य वाचः उपरि स्थापितवान्, प्रत्येकश्च तत् प्राप्तुम् आत्मानम् अत्यजत्। अथ पुत्रं पश्य। सः क्षुधार्तः आसीत्, तथापि प्रस्तरान् आज्ञापयितुं नैच्छत्। सः सर्वाणि राज्यानि अपश्यत्, तथापि प्रणन्तुं नैच्छत्। सः अपमानितः अभवत्, प्रत्यपमानं च नाकरोत्। यद्यपि सः पुत्रः आसीत्, तथापि आज्ञापालनम् अशिक्षत्। अत्र तव सान्त्वनम् अस्ति: इदम् आत्मनियमनं केवलं तव कर्म न भवति — तत् तस्य आत्मनः फलम् अस्ति, ईश्वरश्च विश्वसनीयः अस्ति निर्गमनमार्गं कर्तुम्। तद् अन्विष्य पश्य।

त्रयः प्रश्नाः यान् इदम् अध्ययनम् उत्तरति:

1. संयमः किम्, स च कुतः आगच्छति?
2. मनुष्यः स्वात्मानं कथं विक्रीणाति, यथा अहाब् एषौ च स्वात्मानौ विक्रीतवन्तौ?
3. आत्मसंयमस्य पूर्णादर्शः कः अस्ति, संयमश्च किम् उत्पादयति?

ग्रीकभाषायाः प्रमुखशब्दाः

“संयमः” — **G1466 *egkrateia*** — आत्मसंयमः, इन्द्रियनिग्रहः, मिताचारः
आत्मनः फलं इन्द्रियसंयमः अस्ति।

“संयत” — **G1467 *egkrateuomai*** — आत्मसंयमं कर्तुम्, निगृहीतुम्, संयतं भवितुम्
यः पुरुषः विजयाय यतते सः सर्वेषु विषयेषु संयतेन्द्रियः भवति

“संयमेन” — **G4996 *sophronos*** — संयतमनसा, परिमितरूपेण, सुयतेन्द्रियतया
अनुग्रहः अस्मान् शिक्षयति यत् वयम् अस्मिन् वर्तमाने संसारे संयमेन जीवामः।

“विक्रीत” — **G591 apodidomi** — ददाते, प्रयच्छाते, विक्रीणाते
एषौ एकस्य भोजनखण्डस्य कृते स्वं ज्येष्ठाधिकारं विक्रीतवान्

“नम्रीकृतः” — **G5013 tapeinoo** — अवनतं कर्तुं, अवमानयितुं, नम्रं कर्तुं
स आत्मानं नम्रीकृतवान्, मृत्युपर्यन्तम् आज्ञाकारी बभूव।

“निन्दित” — **G3058 loidoreo** — निन्दितुम्, अपवदितुम्
यदा सः निन्दितः, तदा सः पुनर्न निन्दितवान्

हिब्रूभाषायाः मुख्यशब्दाः

“विक्रीत” — **H4376 makar** — विक्रेतुम्, समर्पयितुम्
त्वं परमेश्वरस्य दृष्टौ दुष्कर्म कर्तुं स्वात्मानं विक्रीतवान्

(मम स्वकीयाः विचाराः — मकर् (H4376, विक्रयणम्) इति शब्दः आहाबस्य विषये उक्तः अस्ति; अपोदिदोमि (G591, विक्रयणम्) इति शब्दः एषावस्य विषये लिखितः अस्ति। द्वे भाषे, एकः एव सः व्यवहारः। पुरुषः स्वेच्छितवस्तुनः कृते स्वात्मानं विक्रीणीते। इन्द्रियसंयमः स्वस्य रक्षणम् अस्ति, यथा त्वं न विक्रीयसे।)

उद्घाटन-आधारः

Galatians 5:22-23 किश्च प्रेमानन्दः शान्तिश्चिरसहिष्णुता शिथिलता भद्रं रश्निश्चास्यता तिथिः [G1466 egkrateia ■] (23)

परिमितभोजिभ्रमितादीन्यान्तः फलानि सन्ति तेषां रिक्ता कापि ब्रह्म नहि

आत्मसंयमः — इन्द्रियदमनम् — आत्मनः फलम् अस्ति।

(मम व्यक्तिगताः विचाराः — लक्ष्यं कुरु यत् संयमः कुत्र तिष्ठतिः आत्मनः फलेषु मध्ये। इदं प्रथमं मनुष्यस्य कर्म न भवति; इदं फलम् अस्ति। egkrateia (G1466, संयमः) अन्तः बलम् अस्ति — स्वस्य आत्मनः नियन्त्रणम्। यत्र आत्मा वसति, तत्र इदं फलं वर्धते, तादृशानां विरुद्धे च कोऽपि नियमः नास्ति।)

I. यदा आत्मसंयमः न भवति — आहाब

A. 1 Kings 21:1-4 ↗ *read this in your Bible*

आत्मसंयमहीनता — स्वेच्छितवस्तुप्राप्तेः असामर्थ्यं तं भारयुक्तं, अप्रसन्नं, भोजनासमर्थं च अकरोत्।

B. 1 Kings 21:7 ↗ *read this in your Bible*

ईशबेल्पायाः ईश्वरस्य व्यवस्थाम् अतिक्रम्य दातुं प्रस्तावः स एव आसीत् यस्य प्रतीक्षा आहाबस्य दुष्टक्षुधया क्रियमाणा आसीत्।

C. 1 Kings 21:20 ↗ *read this in your Bible*

आहाबः प्रभोः दृष्टौ दुष्कर्म कर्तुम् आत्मानं विक्रीतवान्।

D. 1 Kings 21:25 ↗ *read this in your Bible*

आहाबस्य सदृशः कश्चित् नासीत्, यः दुष्टत्वं कर्तुम् आत्मानं विक्रीतवान्, स्वभार्यया प्रेरितः।

(मम व्यक्तिगताः विचाराः — एकः राजा आसीत्, स च आत्मानं शासितुं न शक्नोत् स्म। सम्पूर्णं राज्यं तस्य आसीत्, तथापि एका शाकवाटिका तं विषण्णं कृतवती, तस्य क्षुधाम् अपि अपहतवती। शब्दः अस्ति मकर् (H4376, विक्रेतुम्) सः स्वेच्छां प्राप्तुं आत्मानम् एव विक्रीतवान्। इयं संयमस्य अभावः अस्ति — नरः इच्छायाः स्वामी न भवति, इच्छा एव नरस्य स्वामिनी भवति।)

II. आत्मविक्रयस्य आदर्शः — ईश्वरस्य आज्ञापालनात् अधिकं मूल्यवत् किमपि वस्तु

A. 1 Samuel 15:24 ↗ *read this in your Bible*

शाऊलः ईश्वरस्य वाण्याः आज्ञापालनात् अधिकं जनानां भयं प्रशंसां च अमन्यत।

B. 2 Peter 2:15 ते शापग्रस्ता रक्षाः सबलमार्गं रिशाय विद्योबपूत्रस्य बिलियमस्य रिपथेन ब्रजन्तो ब्राह्मन्

बिलाम् ईश्वरस्य आज्ञापालनात् अधर्मस्य वेतनं अधिकं अमन्यत।

C. Genesis 3:6 ↗ *read this in your Bible*

हव्वा ईश्वरस्य वचनस्य आज्ञापालनात् फलस्य दर्शनं ज्ञानस्य च इच्छां अधिकं अमन्यत।

D. 2 Samuel 11:2-4 ↗ *read this in your Bible*

दाविद् ईश्वरस्य आज्ञापालनात् अधिकं तस्याः सहवाससुखं अमन्यत।

(मम व्यक्तिगताः विचाराः — चतुर्षु जीवनेषु एकं सादृश्यं लक्ष्यत। शाऊलः अबिभेत्, बिलाम् अप्रीयत, हवा अपश्यत्, दाऊद् अगृह्णात्। तेषु एकोऽपि न बलात्कृतः आसीत्। प्रत्येकः किञ्चन वस्तु ईश्वरस्य वाचः उपरि अमन्यत, तत् प्राप्तुं च आत्मानं व्ययीकृतवान्। वस्तु भिन्नम् अस्ति, विनिमयस्तु समान एव।)

III. খ্রীষ্ট: — আত্মসংযমস্য পূর্ণাদেশ:

A. Hebrews 5:8 যদ্যপি পুত্রোহভবৎ তথাপি যৈবক্লিশ্যত তৈবাজ্ঞাগ্রহণম্ অশিক্ষিত

স: পুত্র: সন্নপি দু:খানি সহিত্বা আজ্ঞাপালনম্ অশিক্ষিত।

B. Philippians 2:8 ইখং নবমূর্তিম্ আশ্রিত্য নশ্রতাং স্বীকৃত্য মৃত্যোরর্থতঃ ক্রুশীযমৃত্যোৰেব ভোগাযাজ্ঞাগ্রাহী বভূব

[G5013 tapeinoo ■]

স: স্বয়মেব নম্রীভূয মৃত্যুপর্যন্তম্ আজ্ঞাকারী অববত্, তত্ ক্রুশাস্য মৃত্যুপর্যন্তমপি।

C. 1 Peter 2:22-23 স কিমপি পাপং ন কৃতবান্ তস্য রদনে কাপি ছলস্য কথা নাসীৎ [G3058 loidoreo ■] (23) নিন্দিতো হপি সন্ স প্রতিনিন্দাং ন কৃতবান্ দুঃখং সহমানো হপি ন ভর্তসিতবান্ কিন্তু যথাথরিচারযিতুঃ সমীপে স্বং সমর্পিতবান্

স: নিন্দিত: সন্ প্রতিনিন্দাং ন কৃতবান্, কিন্তু ন্যায়েন বিচারয়তে তস্মৈ আত্মানং সমর্পিতবান্।

(মম স্বকীয়া: বিচারা: — অহাবস্য রাজ্যম্ আসীত্, কিন্তু স্বস্য উপরি নিয়ম: ন আসীত্; পুত্রস্য তু সর্ব সামর্থ্যম্ পূর্ণ: চ নিয়ম: আসীত্। স: আত্মানং নম্রীকৃতবান্ — tapeinoo (G5013, নম্রীকরণম্)। স: নিন্দিত: অববত্ — loidoreo (G3058, নিন্দা কর্তৃম্) — ন চ প্রত্যুত্তরং দত্তবান্। আত্মসংযম: দুর্বলতা ন ভবতি; তত্ বলং ভবতি যত্ ইশ্বরস্য ইচ্ছায়াং নমিতম্, মৃত্যুপর্যন্তম্ অপি।)

IV. সংযম: কিং জনয়তি — ফলং মুকুটং চ

A. 2 Peter 1:5-6 ততো হেতো যুযং সম্পূর্ণং যত্নং ব্রিধায় ব্রিশ্বাসে সৌজন্যং সৌজন্যে জ্ঞানং [G1466 egkrateia ■] (6) জ্ঞান

আযতেদ্রিযতাম্ আযতেদ্রিযতাযাং ধৈর্য্যং ধৈর্য্য ঈশ্বরভক্তিম্

সংযম: জ্ঞানে যোজ্যতে, সংযমাৎ চ ধৈর্যম্ উত্পদ্যতে, ধৈর্যাৎ চ ঈশ্বরভক্তি:।

B. 1 Corinthians 9:24-25 পণ্যাভার্থং যে ধারন্তি ধারতাং তেষাং সর্বেষাং কেবল একঃ পণ্যং লভতে যুগ্মাভিঃ কিমেতন্ জ্ঞায়তে? অতো যুযং যথা পণ্যং লক্ষ্যক্বে তথৈব ধারত [G1467 egkrateuomai ■] (25) মল্লা অপি সরব্রভোগে পরিমিতভোগিনো ভরন্তি তে তু মল্লাং স্রজং লিঙ্গান্তে কিন্তু রযম্ অল্লানাং লিঙ্গামহে

য: পুরুষ: বিজযার্থং যততে স: সর্বেষু বিষয়েষু সংযমী ভবতি, অক্ষয়মুকুটস্য প্রাপ্যর্থম্।

C. Titus 2:11-12 যতো হেতোজ্ঞাণাজনক ঈশ্বরস্যানুগ্রহঃ সরব্রান্ মানবান্ প্রত্যুদিতবান্ [G4996 sophronos ■] (12) স চাস্মান্ ইদং শিক্ষয়তি যদ্ রযম্ অধর্মং সাংসারিকভিলাষাংশ্চানঙ্গীকৃত্য ব্রিনীতব্রেন ন্যায়েনেশ্বরভক্ত্যা চেহলোকে আযু র্যাপযামঃ

অনুগ্রহ: স্বয়ম্ অস্মান্ শিক্ষয়তি যত্ বয়ং সাংসারিকান্ অবিলাষান্ ত্যক্ত্বা অস্মিন্ বর্তমানসংসারে সংযমরূপেণ জীবাম্।

(মম বৈয়ক্তিকচিন্তনম্ — ক্রমং নিরীক্ষধ্বম্: জ্ঞানে মিতত্বং যোজিতম্, মিতত্বে চ ধৃতি: স্থাপিতা। অনুগ্রহশ্চ শিক্ষয়তি: য: অনুগ্রহ: পরিব্রাণম্ আনয়তি স: এব অস্মান্ শিক্ষয়তি যত্ সাংসারিকবিলাষাণাং প্রত্যাখ্যানং কুর্যম্, সংযতমনসা চ জীবাম্ — sophronos (G4996, সংযতমনসা), স্বস্থচিত্তে সহ। যে নশ্বরং মুকুটং প্রাপ্তুং ধাবন্তি তে সর্বেষু বিষয়েষু মিতত্বং পালয়ন্তি — egkrateuomai (G1467, মিতত্বং পালয়িতুম্) — অস্মাভি: তু অবিলাশিন: মুকুটস্য হেতো: কিয়দ্ অধিকং মিতত্বং পালনীয়ম্।)

দ্বয়োৰ্ মুখম্ — বিক্রীত: শব্দ: মকর্ (H4376, বিক্রেতুম্) তথা অপোদিদোমি (G591, বিক্রেতুম্)

A. 1 Kings 21:20 ↗ read this in your Bible

এক: রাজা শাকবাটিকায়া: কৃতে আত্মানং বিক্রীতবান্।

B. Hebrews 12:16-17 যথা চ কশিৎ লম্পটো বা এককৃৎ আহাবার্থং স্বীযজ্যেষ্ঠাধিকারবিক্রেতা য এষৌস্তদ্বদ অধর্মাচাৰী ন ভব্রেৎ তথা সারধানা ভরত [G591 apodidomi ■] (17) যতঃ স এষৌ: পশ্চাদ্ আশীৰ্বাদাধিকারী ভরিতুম্ ইচ্ছন্নপি নানুগৃহীত ইতি যুযং জানীথ, স চাশ্রপাতেন মতন্ত্ববং প্রার্থয়মানোহপি তদুপাযং ন লেভে

কশ্বন প্রথমজ: পুত্র: একেণ মাংসখণ্ডেন স্বজ্যেষ্ঠত্বাধিকারং বিক্রীতবান্, ইব্রিপত্রং চ তত্ যোজয়তি যত্ রাজগ্রন্থ: ন যোজয়তি — তানি অশ্রুণি যানি তং বিনিময়ং পুন: ক্রেতুং নাশব্নুবন্।

(মম স্বকীয়া: বিচারা: — অস্মিন্ অধ্যয়নে বর্তমানেষু সর্বেষু পুরুষেষু, কেবলং দ্বয়ো: বিষয়ে এব "বিক্রীত:" ইতি শব্দ: লিখিত: অস্তি — আহাবস্য এসাবস্য চ। এক: রাজা ধর্ম শাকবাটিকায়া: নিমিত্তং বিক্রীতবান্; এক: জ্যেষ্ঠপুত্র: স্বকীযং পৈতৃকাধিকারং একস্মৈ ভোজনায বিক্রীতবান্। রাজগ্রন্থ: আহাবস্য কথাং দণ্ডবিধানেন সমাপয়তি, পরন্তু ইব্রীযপত্রম্ এব এসাবং অগ্রে অনুসরতি — তং দিনং যাবত্, যত্র স: অশ্রুভি: আশীর্বাদং পুন: প্রাপ্তুং প্রযত্নং কৃতবান্, তথাপি পশ্চাত্তাপস্য কোঃপি স্থানং ন প্রাপ্তবান্। স্বাত্মানং ন বিক্রীণীত; কেচন বিনিময়া: পুন: ক্রেতুং ন শক্যন্তে।)

C. Ecclesiastes 4:12 ↗ read this in your Bible

দ্বৌ জনৌ তং প্রতিরোত্স্যত: + ত্রিগুণং সূত্রং শীঘ্রং ন ব্রুত্স্যতি।

জ্ঞায়া চ পূর্তি: — ত্রিবিধা বাসনা, একস্য আজ্ঞাপালনং চ

Shadow Genesis 3:6 ↗ read this in your Bible

আত্মসংযমস্য প্রথম: বিফলতা: অন্ত্রং, নেত্রং, জ্ঞানস্য চ ইচ্ছা।

1 John 2:16 যতঃ সংসাৰে যদ্যৎ স্থিতম্ অর্থতঃ শাৰীৰিকভারস্যাভিলাষো দর্শনেদ্রিযস্যাভিলাষো জীৱনস্য গৱর্ষচ সরব্রমেতৎ পিতৃতো ন জাযতে কিন্তু সংসাৰদেৱ

ত ত্ৰয়: এব পুন: নামাক্তা: সান্তি।

Fulfillment Matthew 4:3-4 তদানীং পৰীক্ষিতা তৎসমীপম্ আগত্য ব্যাহতবান্, যদি ঐৰমীশ্বৰাঙ্ঘজো ভৱেস্তুৰ্হ্যজ্জয়া পাষাণানেনান্ পূপান্ ৰিধেহি (4) ততঃ স প্রত্যব্রীং, ইথং লিখিতমাস্তে, "মনুজঃ কেৱলপূপেন ন জীৱিষ্যতি, কিন্তুীশ্বৰস্য ৰদনাদ্ যানি যানি ৰচাংসি নিঃসৰন্তি তৈৰেৰ জীৱিষ্যতি

Matthew 4:8-10 অনন্তৰং প্রতাৰকঃ পুনৰপি তম্ অতু্যপ্ধৰাধৰোপৰি নীংৱা জগতঃ সকলৰাজ্যানি তদৈশ্বৰ্য্যাণি চ দৰ্শয়াশ্চকাৰ কথয়াঞ্চকাৰ চ (9) যদি ঐৱং দণ্ডৱদ্ ভৱন্ মাং প্রণমেস্তুৰ্হ্যহম্ এতানি তুভ্যং প্রদাস্যামি (10) তদানীং যীশুস্তমৰোচৎ, দূৰীভৱ প্রতাৰক, লিখিতমিদম্ আস্তে, "ঐৱয়া নিজঃ প্রভুঃ পৰমেশ্বৰঃ প্রণম্যঃ কেৱলঃ স সেৱ্যশ্চ

ধ্ৰুপায়াং নেত্ৰাভিলাষে চ পৰীক্ষিত: স: বচনেন উত্তৰং দত্তবান্ একম্ ঐশ্বৰম্ এব পূজিতবান্।

Romans 5:19 অপৰম্ একস্য জনস্যাঞ্জালঙ্ঘনাদ্ যথা বহরো হপৰাধিনো জাতাস্তদ্বদ্ একস্যাঞ্জাচৰণাদ্ বহরঃ সপুণ্যীকৃতা ভৱন্তি

একস্য মনুষ্যস্যাঞ্জায়া বহব: পাপিন: কৃতা:; একস্যাজ্ঞাপালনে বহবো ধাৰ্মিকা: ক্ৰিয়ন্তে।

(মম স্বকীয়া: বিচাৰা: — তানি এব ত্ৰয়: দ্বাৱাণি: শৰীৰস্য বাসনা, নেত্ৰয়ো: বাসনা, জীৱিতস্য দৰ্প: চ। তরৌ সা স্ত্রী অপশ্যত্, অকাময়ত্, অগ্রহীত্, অখাদত্ চ। মরুস্থলে পুত্ৰ: তেষ্ণু এব দ্বাৱেষ্ণু পৰীক্ষিত: অৰ্হবত্, প্ৰতিবচনং চ প্ৰত্যেকং দত্তবান্ — "লিখিতম্ অস্তি" ইতি। যত্ৰ আদিপুৰুষ: পতিত:, তত্ৰ একস্য আজ্ঞাপালনে বহব: ধাৰ্মিকা: কৃতা: সন্তি।)

সমাপনম্

1 Corinthians 10:13 মানুষিকপৰীক্ষাতিৰিক্তা কাপি পৰীক্ষা যুগ্মান্ নাক্ৰামৎ, ঐশ্বৰশ্চ বিশ্বাস্যঃ সোহতিশক্ত্যাং পৰীক্ষায়াং পতনাং যুগ্মান্ ৰক্ষিষ্যতি, পৰীক্ষা চ যদ্ যুগ্মাভিঃ সোচুং শক্যতে তদৰ্থং তথা সহ নিস্তাৰস্য পন্থানং নিৰূপযিষ্যতি

ঐশ্বৰ: বিশ্বাসযোগ্য: অস্তি, পৰীক্ষায়া সহ নিস্তাৰস্য মাৰ্গমপি কৰিষ্যতি।

2 Peter 1:6 জ্ঞান আঘতেন্দ্রিয়তাম্ আঘতেন্দ্রিয়তায়াং ধৈৰ্য্যং ধৈৰ্য্য ঐশ্বৰভক্তিম্ [G1466 egkrateia ▮]

ইন্দ্রিয়সংযমায় ধৈৰ্যম্ + ধৈৰ্য্য ঐশ্বৰভক্তি:

(মম স্বকীয়া: বিচাৰা: — অত্ৰ একস্মিন্ পঙ্ক্তৌ সম্পূৰ্ণম্ অধ্যয়নম্ বৰ্ততে: ইন্দ্রিয়সংযম:, egkrateia (G1466, ইন্দ্রিয়সংযম:), আত্মন: ফলম্ অস্তি — তস্য বলেন শাসিত: স্বয়ম্। আহাৰ: আত্মানং বিক্ৰীতবান্, makar (H4376, বিক্ৰয়ণম্); ঐশ্বৰ: স্বজ্যেষ্ঠাধিকাৰং বিক্ৰীতবান্; শাউল:, বালাম্, হবা, দাবীদ: চ প্ৰত্যেকং পৰমেশ্বৰস্য বাণীত: অধিকং বস্তু অমূল্যন্ত। পৰন্তু পুত্ৰ: মৃত্যুপৰ্যন্তম্ আত্মানং শাসিতবান্, একস্য চ আজ্ঞাপালনে বহব: ধৰ্মিষ্ঠা: কৃতা: সন্তি। ঐশ্বৰ: চ বিশ্বাসযোগ্য: অস্তি: যুয়ং স্বসহনশক্তি: অধিকং ন পৰীক্ষিষ্যধ্বে, পৰীক্ষায়া সহ চ স: নিৰ্গমনমাৰ্গং কৰোতি। স্বজ্ঞানে ইন্দ্রিয়সংযমং যোজয়ত, অক্ষয়মুকুটাত্ চ ধাবত।)

অভ্যাসপ্ৰশ্নাবলী

1. গলাতিন: ৫:২২-২৩ — আত্মন: ফলং প্ৰেম, আনন্দ:, শান্তি:, ধৈৰ্য, মৃদুতা, সৌজন্যং, বিশ্বাস:, নম্ৰতা, তথা:

- প্ৰজ্ঞা
- সংযম:
- জ্ঞানম্

2. 1 রাজাবলী 21:20 — ত্বম্ আত্মানং বিক্ৰীতবান্:

- যহৌবস্য দৃষ্টৌ দুষ্টং কৰ্ম কুৰ্যাত্
- লোকানাং দৃষ্টৌ দুষ্কৰ্ম কৰ্তুম্
- স্বপিতৃণাং মাৰ্গে চল

3. 1 শমূএল 15:24 — শাউল: উবাচ, ময়া যহৌবায়া: আজ্ঞা উল্লঙ্ঘিতা, যত::

- অহং পৰমেশ্বৰাত্ অৰিভয়ং, তস্য বাচম্ অপালয়ং চ।
- লোকা: লুটদ্রব্যস্য কিञ্চিদ্ অগৃহ্ণন্
- অহং জনেভ্য: অৰিভয়ে, তেষ্ণাং বাচম্ অশৃণবং চ

4. 2 পেতৰ 2:15 — বোসোরস্য পুত্ৰ: বালাম্ অস্নেহত্:

- দৈবপ্ৰশ্নস্য পুৰস্কাৰা:
- যথোচিত: মাৰ্গ:
- অধৰ্মস্য বেতনম্

5. 1 পতৰস 2:23 — যদা স: নিন্দিত: অৰ্হবত্, তদা স::

- পুন: নিন্দাং ন কৃতবান্
- পুন: উত্তৰিতম্

c) तान् नानुमन्यत

6. इब्रिणः १२:१६ — एषौ एकस्मात् भोजनखण्डात् स्वं ज्येष्ठाधिकारं विक्रीतवान्:

a) तस्य आशीर्वादः

b) तस्य ज्येष्ठाधिकारः

c) तस्य उत्तराधिकारः

7. 1 करिन्थिनः 10:13 — ईश्वरः विश्वासयोग्यः अस्ति, यः परीक्षया सह निर्गमनमार्गम् अपि करिष्यति:

a) निर्गमनस्य मार्गः

b) पश्चात्तापस्य स्थानम्

c) पापस्य अन्तः

उत्तरकुञ्जिका: 1-b, 2-a, 3-c, 4-c, 5-a, 6-b, 7-a

एतत् अध्ययनं कथं शाखते

विक्रीताः कथं पुनः क्रीयन्ते: अहाब् एषौ च स्वात्मानं विक्रीतवन्तौ, परन्तु यूयं मूल्येन क्रीताः स्थ (१ कोरिन्थिनः ६:२०) — पापस्य अधीनतया विक्रीताः (रोमिणः ७:१४), तथापि शापात् मुक्ताः (गालातिनः ३:१३)।

नगरं कथं रक्षयते: यः स्वकीयम् आत्मानं न वशे करोति, सः भग्नं प्राकाररहितं च नगरम् इव भवति (नीतिवाक्यानि २५:२८); यश्च स्वात्मानम् आत्मानं वशे करोति सः नगरं जयतः श्रेष्ठः भवति (नीतिवाक्यानि १६:३२)।

धावनं कथं धावति: सर्वेषु विषयेषु संयमः अस्माकं पुरतः स्थापितं धावनं धैर्येण धावितुं प्रवर्तयति, यीशुं प्रति दृष्टिं कृत्वा (इब्रिणः १२:१-२)।

सोपानः कथम् आरोहति: ज्ञानाय संयमः, संयमाय धैर्यम्, धैर्याय ईश्वरभक्तिः (पितरस्य द्वितीयः पत्रः १:५-७) — यत् यूयं न वन्ध्याः न निष्फलाः भवेत (पितरस्य द्वितीयः पत्रः १:८)।

परीक्षितानां साहाय्यं कथं भवति: यतः स्वयं परीक्षां सोढवान् सन् स परीक्षितान् साहाय्यं कर्तुं शक्नोति (इब्रिणः २:१८) — सर्वप्रकारेण अस्माकमिव परीक्षितः, तथापि पापरहितः (इब्रिणः ४:१५)।

अनुग्रहः कथं शिक्षयति: संयतजीवनं तस्याः धन्याशायाः तस्य च तेजस्विनः प्रकटनस्य प्रत्याशां प्रति नयति (तीतः २:१३) — विशिष्टा प्रजा, सत्कर्मसु उत्साहवती (तीतः २:१४)।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Sanskrit New Testament in Assamese Script (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEP Bible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEP Bible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).